INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: 8 (3rd Lang)	Department: Hindi	Month: August-2026-3rd/4th week
Worksheet No:3	Topic: अर्थग्रहण	Note: File it in your portfolio

निर्देश- दिए गए प्रश्नों के उत्तर अनुच्छेद के आधार पर चुनकर लिखिए |

दोना-पत्तल भारतीय संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन्हें मुख्यतः साल, पलाश, केले या अन्य बड़े पेड़ों की पत्तियों से बनाया जाता है। प्राचीन समय से ही धार्मिक आयोजनों, विवाह समारोहों, मेलों और सामूहिक भोज में दोना-पत्तल का उपयोग किया जाता रहा है। ये पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। प्लास्टिक और थर्मोकोल के बढ़ते उपयोग से जहाँ पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुँचा है, वहीं दोना-पत्तल एक सुरक्षित और टिकाऊ विकल्प के रूप में फिर से लोकप्रिय हो रहे हैं। इनके उपयोग से कचरा कम होता है और मिट्टी तथा जल प्रदूषण भी नहीं फैलता। दोना-पत्तल बनाने का कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक लोगों के लिए रोजगार का साधन भी है, जिससे उनकी आय बढ़ती है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। इनमें भोजन करने से प्राकृतिक सुगंध और स्वाद का भी अनुभव होता है, जो भोजन को अधिक आनंददायक बनाता है। आज सरकार और विभिन्न सामाजिक संस्थाएँ भी पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से दोना-पत्तल के उपयोग को बढ़ावा दे रही हैं। हमें भी प्लास्टिक के बर्तनों के स्थान पर दोना-पत्तल का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। इससे न केवल हमारी प्राचीन परंपराएँ जीवित रहेंगी, बल्कि प्रकृति की रक्षा भी होगी। स्वच्छ और हरित पर्यावरण के निर्माण में दोना-पत्तल का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में ऐसे प्राकृतिक साधनों को अपनाए, तो प्रदूषण में कमी आएगी और आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, स्वच्छ तथा सुरक्षित वातावरण प्राप्त होगा। इस प्रकार, दोना-पत्तल हमारी संस्कृति, पर्यावरण और समाज तीनों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।

1. दोना-पत्तल मुख्यतः किससे बनाए जाते हैं?

(क) प्लास्टिक (ख) लोहे

(ग) पेड़ों की पत्तियों से (घ) काँच

2. दोना-पत्तल का उपयोग अधिकतर कहाँ किया जाता रहा है?

(क) कारखानों में (ख) धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में

(ग) रेलवे स्टेशन पर (घ) अस्पतालों में

3. दोना-पत्तल पर्यावरण के लिए कैसे होते हैं?

(क) हानिकारक (ख) प्रदूषण फैलाने वाले

(ग) पर्यावरण के अनुकूल (घ) विषैले

4. दोना-पत्तल किसका अच्छा विकल्प हैं?

(क) मिट्टी के बर्तन (ख) प्लास्टिक और थर्मोकोल के बर्तन

(ग) स्टील के बर्तन (घ) काँच के बर्तन

5. दोना-पत्तल बनाने से किसे रोजगार मिलता है?

(क) केवल शहरों के लोगों को (ख) विदेशी व्यापारियों को

(ग) ग्रामीण लोगों को (घ) केवल विद्यार्थियों को

6. दोना-पत्तल के उपयोग से क्या लाभ होता है?

(क) प्रदूषण बढ़ता है (ख) कचरा और प्रदूषण कम होता है

(ग) पानी की बर्बादी होती है (घ) पेड़ों की संख्या घटती है

7. हमें दोना-पत्तल का अधिक उपयोग क्यों करना चाहिए?

(क) पर्यावरण संरक्षण के लिए (ख) समय की बर्बादी के लिए

(ग) प्रदूषण बढ़ाने के लिए (घ) केवल दिखावे के लिए

8. **दोना-पत्तल में भोजन करने से क्या अनुभव होता है?**

(क) स्वाद खराब हो जाता है। (ख) सुगंध और स्वाद का अनुभव होता है।

(ग) भोजन जल्दी ठंडा हो जाता है। (घ) भोजन का रंग बदल जाता है।

☺☺☺☺☺